RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 08 JUNE 2022 TO 14 JUNE 2022 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 07 ■ अंक 39 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

सऊदी अरब के फैसले ने चौंकाया, भारत को भी झटका Page 2

क्यों रसातल में जा रहा रुपया, डॉलर के 80 पार जाने पर बढ़ेगा संकट Page 4

डॉक्टर की पर्ची के बिना मिलेगी पेरासिटामोल और 15 दूसरी दवाइयां Page 7

editoria!

बढ़ता जीएसटी संग्रह

भारत का वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी संग्रह मई में पिछले वर्ष के मुकाबले 44 फीसदी की वृद्धि के साथ 1.4 लाख करोड़ रुपये रहा. हालांकि, मासिक आधार पर इसमें 16 फीसदी की गिरावट आयी है. अप्रैल, 2022 में जीएसटी संग्रह सर्वकालिक उच्चतम स्तर 1.68 लाख करोड़ रुपये था. मार्च से लगातार तीसरे महीने में जीएसटी संग्रह 1.4 लाख करोड़ से अधिक रहा, जबकि लगातार 11वें महीने में जीएसटी संग्रह एक लाख करोड़ के ऊपर दर्ज हुआ है. नियमों के अनुपालन पर करदाताओं को इनपुट टैक्स क्रेडिट जैसे उपायों से अप्रैल, 2022 तक जीएसटी संग्रह में तेजी बनी रही. हालांकि, मई की मामूली गिरावट को उपभोक्ता बर्ताव और सामान्य व्यापारिक बदलाव के नजरिये से देखा जाना चाहिए. वित्त मंत्रालय के वक्तव्य के अनुसार, मई महीने में जीएसटी संग्रह, वित्तवर्ष के पहले महीने अप्रैल के रिटर्न से संबंधित है, वह हमेशा अप्रैल से कम रहा है, क्योंकि अप्रैल का संग्रह वित्त वर्ष के समापन महीने मार्च से संबंधित होता है. अप्रैल, 2022 में जारी कुल ई-वे बिलों की संख्या 7.4 करोड़ रही, जोकि मार्च 2022 के 7.7 करोड़ ई-वे बिलों के मुकाबले चार प्रतिशत कम है. हालिया भू-राजनीतिक घटनाओं और आर्थिक हलचल से दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं के सामने कठिनाई आयी है. हालांकि, तीन महीने से लगातार जीएसटी संग्रह के 1.4 लाख करोड़ ऊपर रहना आर्थिक विकास का अच्छा संकेतक है और इसे जीडीपी आंकड़े समेत वृहद आर्थिक संकेतकों से भी जोड़ा जा सकता है. विशेषज्ञों का भी मानना है कि कर चोरी के खिलाफ ऑडिट और एनालिटिक्स जैसे बेहतर प्रयासों के चलते जीएसटी संग्रह में बढ़त देखी जा रही है. हालांकि, मुद्रास्फीति के मौजूदा रुझान और वृहत्तर आर्थिक कारणों को देखते हुए सरकार के सामने कर संग्रह के इन आंकड़ों को बरकरार रखने की बड़ी चुनौती होगी. लगातार उच्च मुद्रास्फीति के बावजूद समग्र मांग में लचीलापन रहने से पिछले महीने फैक्ट्री गतिविधि भी उम्मीद से बेहतर रही है. वृद्धि की राह पर होने के बावजूद आंकड़े बहुत असरकारक नहीं हैं. खपत की स्थिति संतोषजनक नहीं है, फिर भी शहरी खपत अपेक्षाकृत बेहतर है. सार्वजनिक पूंजी खर्च में तेजी आ रही है और सरकार भी निवेश के माध्यम से सुधार के लिए प्रयासरत है. महंगाई के आठ साल के उच्चतम स्तर पर रहने, ऊर्जा कीमतों में अनियंत्रित वृद्धि, कमोडिटी कीमतों में तेजी वर्तमान में अर्थव्यवस्था के सामने बड़ी चुनौती है. रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष की अनिश्चितता दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं के लिए समस्या बनी हुई है. इन सबके बीच अच्छे मॉनसून की भविष्यवाणी राहत भरी है. अच्छी बारिश से न केवल कृषि क्षेत्र को मदद मिलेगी, बल्कि कीमतों की तेजी में भी ठंडक आयेगी. महंगाई का मौजूदा रुझान निकट भविष्य में अर्थव्यवस्था के लिए समस्याजनक बन सकता है. ऐसे में उम्मीद है कि अच्छे मॉनसून से ग्रामीण मांग में बेहतरी आयेगी, जिससे अर्थव्यवस्था के सुधार को भी गति मिलेगी.

कच्चा तेल फिर भड़का सकता है महंगाई

जलेगी कमाई और बिगड़ेगा रसोई का बजट

कच्चा तेल महंगा होने की 5 वजह

■यूरोपीयन यूनियन द्वारा रूस से कच्चा तेल नहीं खरीदने का फैसला ■अमेरिका में गर्मियों के सीजन की शुरुआत से मांग बढ़ने का असर ■ओपेक की उत्पादन में वृद्धि मौजूदा वैश्विक खपत से कम ■भारत समेत दुनियाभर में कारोबारी गतिविधियों में तेजी से मांग बढ़ी ■दुनिया की अन्य मुद्राओं की तुलना में डॉलर में तेजी

नई दिल्ली। एजेंसी

कच्चा तेल एक बार फिर महंगा होने लगा है। पेट्रोलियम पदार्थ 10 फीसदी महंगा होने पर खुदरा महंगाई 0.8 फीसदी बढ़ जाती है । अभी तेल कंपनियों को 17 रुपये पेट्रोल और 20 रुपये डीजल पर नुकसान हो रहा है। सरकार और रिजर्व बैंक की ओर से महंगाई से निपटने के लिए की जा रही कोशिशों के बीच महंगा कच्चा तेल मुसीबत बढ़ा सकता है। सोमवार को कारोबार में कच्चा तेल एक समय 121 डॉलर के पार निकल गया। रूस पर यूरोपीय यूनियन के फैसले के बाद कच्चे तेल में और तेजी आने की आशंका है। कच्चा तेल महंगा होता है तो भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि का दबाव बढ़ जाता है जिससे महंगाई और भड़क सकती है।

आईआईएफल के उपाध्यक्ष अनुज गुप्ता ने हिन्दुस्तान को बताया कि कच्चा तेल अगले 15 दिन में 130 डॉलर के पार भी पहुंच सकता है। गुप्ता ने कहा कि रूस को लेकर यूरोपीय यूनियन ने जो फैसला किया है उसका असर कच्चे तेल पर दिखेगा। यूरोपीय यूनियन मे रूस से कच्चा तेल नहीं खरीदने का फैसला किया है। इसके अलावा अमेरिका में बढ़ती मांग का असर इसपर देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल के दाम में वृद्धि केंद्रीय बैंकों के लिए महंगाई से लड़ने की चुनौती को बढ़ा सकती है। ओपेक ने मौजूदा चुनौतियों को देखते हुए उत्पादन बढ़ाने का फैसला किया है लेकिन उसके बावजूद दाम बढ़ रहे हैं।

बचत पर भी पड़ता है असर

घर में इस्तेमाल होने वाले कंज्यूमर ड्यूरेबल से लेकर घर बनाने में काम आने वाले सीमेंट, इस्पात और पेंट समेत कई वस्तुओं पर महंगाई का असर होता है। महंगाई अधिक होने पर उस पर अंकुश लगाने के लिए रिजर्व बैंक को रेपो दर बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इसके बाद बैंक कर्ज पर ब्याज दरें बढ़ा देते हैं। इससे कर्ज महंगा हो जाता है जिससे आपकी ईएमआई बढ़ जाती है। ऐसा होने पर आपको अपनी बचत से भुगतान करना पड़ता है।

रसोई का बजट भी बिगाड़ेगा कच्चा तेल

कच्चा तेल महंगा होने से पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ते हैं। इससे परिवहन की लागत बढ़ती है। खाद्य उत्पादों की ढुलाई ज्यादातर सड़क के जरिये ट्रकों से होती है। उत्पाद की अंतिम लागत में परिवहन का खर्च 14 फीसदी के करीब होता है। ऐसे में यदि कच्चे तेल की वजह से पेट्रोल-डीजल महंगा होता है तो सब्जियों से लेकर रसोई में इस्तेमाल होने वाले ज्यादातर उत्पादों का महंगा होना तय है।

डॉलर के 80 पार जाने पर बढ़ेगा संकट

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सोमवार को दो पैसे की तेजी के साथ 77.64 पर बंद हुआ। इक्रा की प्रमुख अर्थशास्त्री अदिति नायर का कहना है कि डॉलर के मुकाबले रुपया 79 के स्तर तक पहुंच सकता है। वहीं कुछ विश्लेषकों का कहना है कि यह 80 रुपये प्रति डॉलर के पार भी पहुंच सकता है। उनका कहना है कि ऐसी स्थिति में हालात और खराब हो सकते हैं। खाद्य तेल और दलहन का बड़ी मात्रा में भारत आयात करता है। डॉलर महंगाई होने से तेल और दाल के लिए अधिक खर्च करने पड़ेंगे, जिसका असर इनकी कीमतों पर होगा। ऐसे में इनके महंगा होने से आपके किचन का बजट बिगड़ सकता है। इसके अलावा विदेश में पढ़ाई, यात्रा, दलहन, खाद्य तेल, कच्चा तेल, कंप्यूटर, लैपटॉप, सोना, दवा, रसायन, उर्वरक और भारी मशीन जिसका आयात किया जाता है वह महंगे हो सकते हैं।

रेपो रेट के बढ़ने से होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की EMI इतने रुपये तक बढ़ेगी

मुंबई। एजेंसी

भारतीय रिज़र्व बैंक ने आज एक बार फिर रेपो रेट में बढ़ोतरी की घोषणा की है। RBI गर्वनर शक्तिकांत दास ने बुधवार को रेपो रेट में 50 बेसिस प्वाइंट का इजाफा करने का ऐलान किया। इसके बाद रेपो रेट 4.40 प्रतिशत से बढ़कर 4.90 प्रतिशत हो गया। इससे पहले पिछले महीने ही आरबीआई ने अचानक मीटिंग बुलाकर रेपो रेट को बढ़ाने का ऐलान कर दिया। उस वक्त केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट में 40 बेसिस प्वाइंट बढ़ाने का ऐलान किया था। यानी कि वित्तीय वर्ष 2022 के लिए कुल रेपो दर में 0.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आपको बता दें कि रेपो रेट बढ़ने से बैंक से लोन लेना महंगा पड़ेगा। अब होम लोन, पर्सनल लोन और कार लोन की ईएमआई बढ़ना लगभग तय है। आइए जानते हैं डिटेल में...

होम लोन की EMI

रेपो रेट में वृद्धि होने से बैंक और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां लोन की दरें बढ़ा सकती हैं, जिसके परिणामस्वरूप आपकी ईएमआई में वृद्धि होगी। उदाहरण के लिए, अगर आपने SBI से 7.1 प्रतिशत की वर्तमान ब्याज दर पर 30 साल के लिए 20 लाख रुपये का होम लोन ले रखा है और अगर एसबीआई होम लोन की ब्याज दर 7.1 प्रतिशत से बढ़कर 8% हो जाती है तो आपको EMI रू. 13,441 से बढ़कर रू.14,675 हो जाएगी। यानी कि रू. 1234 ज्यादा ईएमआई देना पड़ेगा।

कार लोन की EMI

इसी तरह, एसबीआई कार लोन की ब्याज दर वर्तमान में 7.45 प्रतिशत सालाना है। यदि एसबीआई कार ऋण की ब्याज दर 7.45 प्रतिशत से बढ़कर 8.35 प्रतिशत हो गई।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

सऊदी अरब के फैसले ने चौंकाया, भारत को भी झटका

नई दिल्ली। एजेंसी

सऊदी अरब ने जुलाई महीने के लिए कच्चे तेल की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी की है। यह बढ़ोतरी एशियाई खरीदारों के लिए की गई है. अरब लाइट क्रूड ऑयल के आधिकारिक बिक्री मूल्य में 2.1 डॉलर प्रति बैरल का इजाफा किया गया है। दुनिया भर में तेल का सबसे अधिक निर्यात करने सऊदी अरब ने एशियाई खरीदारों के लिए कच्चे तेल की कीमतों में अनुमान से अधिक इजाफा किया है। जुलाई महीने के लिए कच्चे तेल की कीमतों में यह बढ़ोतरी गर्मियों में तेल की अधिक मांग को ध्यान में रखते हुए की गई है. सऊदी अरब का ये फैसला भारत के लिए भी झटका माना जा रहा है. भारत सऊदी अरब से बड़ी मात्रा में तेल आयात करता है।

जुलाई महीने में एशियाई देशों के लिए अरब लाइट क्रूड ऑयल के आधिकारिक बिक्री मूल्य (ओएसपी) में जून की तुलना में 2.1 डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी की गई है। कच्चे तेल में बाजार विश्लेषकों के अनुमान से अधिक बढ़ोतरी यह बढ़ोतरी अधिकतर बाजार विश्लेषकों के अनुमान से बहुत अधिक है। अधिकतर विश्लेषकों ने कच्चे तेल की कीमत में लगभग 1.5 डॉलर की बढ़ोतरी का अनुमान जताया था। रॉयटर्स के पोल में छह में से सिर्फ एक ने कच्चे तेल की कीमत में दो डॉलर के उछाल का अनुमान जताया था। एशिया के एक तेल ट्रेडर ने कहा, कच्चे तेल की कीमत में इतनी

बढ़ोतरी का अंदाजा नहीं था, विशेष रूप से अरब लाइट क्रूड की कीमत में. हम इस फैसले से हैरान हैं।

दुनिया में तेल की सबसे बड़ी कंपनी सऊदी अरामको ने यह बढ़ोतरी की है। यह फैसला जुलाई में तेल का उत्पादन 648,000 बैरल प्रतिदिन बढ़ाने के ओपेक प्लस देशों के बीच हुए समझौते के बावजूद हुआ है। हालांकि, रूस, अंगोला और नाइजीरिया जैसे ओपेक प्लस के सदस्य देशों के लिए तेल के उत्पादन के लक्ष्यों तक पहुंचने में समस्या आ सकती है। दुनिया में तेल का सबसे बड़ा आयातक चीन भी शंघाई सहित अपने कुछ शहरों को दोबारा खोल रहा है। कोविड-19 की वजह से लगे लॉकडाउन के बाद इन शहरों में दोबारा चहल-पहल शुरू हो गई है। एक अन्य एशियाई ट्रेडर ने कहा, इस समय कच्चे तेल की मांग बहुत अधिक है. सऊदी अरब कच्चे तेल की कीमतों में इजाफे को एफोर्ड कर सकता है।

भारत और चीन भारी छूट पर रूस का तेल खरीद रहे हैं. इन देशों ने यूक्रेन पर रूस के हमले को लेकर उसके खिलाफ किसी तरह के प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया था। भारत और चीन भारी छूट पर रूस का तेल धड़ल्ले से खरीद रहे हैं। सऊदी अरामको ने रविवार रात को यूरोपीयन और भूमध्य देशों के लिए कच्चे तेल की कीमतों में इजाफा किया था। अमेरिका के लिए कच्चे तेल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया।

ओपेक प्लस देशों की साख प्रभावित

ओपेक प्लस देशों के समूह ने पिछले हफ्ते बैठक की थी. इस बैठक के बाद कहा गया था कि रूस के तेल की भरपाई के लिए ओपेक देश तेल उत्पादन बढ़ाएंगे। दरअसल यूक्रेन पर रूस के हमले की वजह से पश्चिमी देशों ने उस पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि, ओपेक के फैसले के तुरंत बाद सऊदी अरब ने ऐलान कर दिया कि वह एशिया और यूरोप के अपने ग्राहकों के लिए जुलाई महीने में कच्चे तेल के दाम में इजाफा करेगा। तेल बाजारों के लिए समस्या यह है कि ओपेक प्लस देशों की विश्वसनीयता बुरी तरह प्रभावित हो रही है। दरअसल, ओपेक प्लस देश तेल का उतना उत्पादन नहीं कर रहे जितना उन्होंने कहा था।

देश को मिला 101वां यूनिकॉर्न, इस कंपनी ने झटके में जुटा लिए 777 करोड़ रुपये

मुंबई। एजेंसी

नई यूनिकॉर्न कंपनी का नाम एजुकेशन टेक 'फिजिक्सवाला' है। दरअसल, इस कंपनी ने 10 करोड़ डॉलर (करीब 777 करोड़ रुपये) का नया फंड जुटाया है। इसके साथ ही कंपनी देश की 101वीं यूनिकॉर्न बन गई है। देश को एक नया यूनिकॉन मिल गया है। यूनिकॉर्न का मतलब उस कंपनी से होता है जिसका वैल्यूएशन एक अरब डॉलर से अधिक का है। नई यूनिकॉर्न कंपनी का नाम एजुकेशन टेक 'फिजिक्सवाला' है। दरअसल, इस कंपनी ने 10 करोड़ डॉलर (करीब 777 करोड़ रुपये) का नया फंड जुटाया है। इसके साथ ही कंपनी देश की 101वीं यूनिकॉर्न बन गई है। स्टार्टअप फिजिक्सवाला ने एक बयान में कहा कि कंपनी इस निवेश का इस्तेमाल कारोबार के विस्तार, ब्रांडिंग, नए शिक्षा केंद्र और अपनी पेशकश में नए पाठ्यक्रमों को शामिल करने के लिए करेगी। कंपनी का दावा है कि उसकी एप्लिकेशन को अबतक 52 लाख लोगों ने डाउनलोड किया है और यूट्यूब पर उसके साथ 69 लाख लोग जुड़े हैं। आपको बता दें कि यह प्लेटफॉर्म इंजीनियरिंग और मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी के लिए चर्चित है।फिजिक्सवाला 2020 में महामारी के दौरान शुरू किया गया था। इसका मकसद छात्रों को इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं के लिए तैयार करना है। इसके फाउंडर अलख पांडे और प्रतीक माहेश्वरी हैं।

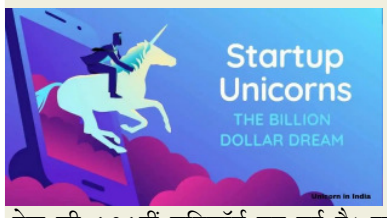

एस्सार के महान-सीपत ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट का अधिग्रहण करेगी एटीएल

अहमदाबाद। आईपीटी नेटवर्क

भारत की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की ट्रांसमिशन और वितरण कंपनी, अदाणी ट्रांसमिशन लिमिटेड (एटीएल), ने एस्सार पावर लिमिटेड (ईपीएल) के साथ एस्सार पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड (ईपीटीसीएल) के स्वामित्व वाली एवं उसके द्वारा संचालित 673 सर्किट किलोमीटर ऑपरेशनल इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट के अधिग्रहण के लिए एक निश्चित समझौता किया है। इस ट्रांजेक्शन की एंटरप्राइज वैल्यू 1,913 करोड़ रुपये है। अदाणी ट्रांसमिशन लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री अनिल सरदाना ने कहा, 'एस्सार की ट्रांसमिशन संपत्ति का अधिग्रहण सेंट्रल इंडिया में एटीएल की उपस्थिति को मजबूत करेगा। इस अधिग्रहण के साथ, एटीएल अपने 20,000 सर्किट किलोमीटर

के लक्ष्य को समय से पहले हासिल करने की राह पर और आगे बढ़ गया है। हम ग्रिड स्थिरता के मामले में सबसे आगे बने हुए हैं और अपने स्टेकहोल्डर्स के लिए लॉन्ग टर्म सस्टेनेबल वैल्यू बनाते हुए टिकाऊ, भरोसेमंद और किफायती ऊर्जा समाधान प्रदान करते हैं।'

यह टारगेट एसेट एक ऑपरेशनल 400 केवी इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन लाइन है जो मध्य प्रदेश में महान को छत्तीसगढ़ में सीपत पूलिंग सबस्टेशन से जोड़ती है, जिसकी लाइन लंबाई 673 सर्किट किलोमीटर है। यह प्रोजेक्ट सीईआरसी रेगुलेटेड रिटर्न फ्रेमवर्क के तहत संचालित होता है जिसे 22 सितंबर 2018 को चालू किया गया था। यह प्रस्तावित लेनदेन, ट्रांजैक्शन स्टेप्स के माध्यम से निष्पादित किया जाएगा जो आवश्यक रेगुलेटरी ऐप्रूवल्स व अन्य सहमति के आधार पर होगा। यह अधिग्रहण ऑर्गनिक और इनऑर्गेनिक विकास के अवसरों के माध्यम से एटीएल की वैल्यू एडेड ग्रोथ रणनीति के अनुरूप है। इस अधिग्रहण के साथ, एटीएल का संचयी नेटवर्क 19,468 सर्किट किलोमीटर तक पहुंच जाएगा, जिसमें से 14,952 सर्किट किलोमीटर ऑपरेशन में है और 4,516 सर्किट किलोमीटर निष्पादन के विभिन्न चरणों में है।

एटीएल, एसडीजी 7 (सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा), एसडीजी 11 (टिकाऊ शहर और समुदाय) और एसडीजी 13 (जलवायु कार्रवाई) पर ध्यान देने के साथ संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के लिए प्रतिबद्ध है। एटीएल ने मुख्य रूप से एसडीजी 7 का पालन करते हुए सीओपी26 के हिस्से के रूप में अपने एनर्जी कॉम्पैक्ट गोल्स की भी घोषणा की है। ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर पर अपने मजबूत ध्यान के साथ, एटीएल क्लाइमेट एक्शन एजेंडा को सक्षम करना जारी रखेगा।

स्किल इंडिया के टेक्निकल इंटर्न ट्रेनिंग प्रोग्राम ने नई उपलब्धि हासिल की

हवाई यात्रा प्रतिबंधों में ढील देने के बाद वर्ष 2022 में 100 भारतीय इंटर्न जापान भेजे गए

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

स्किल इंडिया के टेक्निकल इंटर्न ट्रेनिंग प्रोग्राम के अंतर्गत, मार्च 2022 से अब तक 100 से अधिक छात्रों के एक दल को जापान भेजा है, क्योंकि देश ने विदेशियों के लिए यात्रा प्रतिबंधों में ढील दी है। जापान द्वारा शुरू किया गया एक कार्यक्रम है जो ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए विदेशी इन्टर्न को स्वीकार करता है। भारत और जापान ने कौशल, तकनीक और ज्ञान के हस्तांतरण के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। 100 इंटर्न में 40 प्रतिशत महिलाएं हैं। उम्मीदवारों को मैन्युफैक्चरिंग, हेल्थकेयर, कन्स्ट्रक्शन, टेक्सटाइल, एग्रीकल्चर और फूड मैन्युफैक्चरिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में अग्रणी जापानी संगठनों के साथ अपने कौशल को निखारने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम के तहत, वे 1 लाख - 1.4 लाख रुपए का औसत मासिक वजीफा प्राप्त करेंगे।

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) भारत में ऊ्ऊ्इ के प्रबंधन के लिए नोडल एजेंसी है, जो कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के तत्वावधान में कार्य कर रही है। एनएसडीसी ने भारत में 35 भेजने वाले संगठनों को सूचीबद्ध किया है और कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए अधिक योग्य संगठनों को सूचीबद्ध करने की दिशा में कार्य रहा है। इन भेजने वाले संगठनों को उम्मीदवारों के जापानी भाषा, संस्कृति, बिज़नेस एटिकेट्स सीखने के लिए जागरूक करने, मोबिलाइजेशन, ओरिएन्टेशन और प्रशिक्षण का कार्य सौंपा गया है, और यह जापान में उम्मीदवारों के रहने के लिए भी सहयोग करता है।

TITP के बारे में टिप्पणी करते हुए, एनएसडीसी के सीओओ और ऑफिशिएटिंग सीईओ, वेद मणि तिवारी ने कहा, 'वैश्वीकरण और तकनीकी-सम्बंधी परिवर्तन ने दुनिया भर में कुशल कर्मियों की मांग को तेज कर दिया है। दुनिया भर के बिज़नेस प्रतिभाशाली वर्कर्स की मांग को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जिससे भारत इस मांग को पूरा करने के लिए युवाओं को न्यू-एज़ स्किल्स से लैस करके भारत को विश्व की 'कौशल राजधानी' बनाने के अपने प्रयासों में तेजी ला रहा है। हम युवा श्रम शक्ति के जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाकर और उन्हें इन-डिमांड जॉब ट्रेनिंग से लैस करके एक 'रोजगार के लिए तैयार' भारत बनाने का प्रयास कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि ये युवा छात्र भारतीय प्रतिभाओं के लिए राजदूत के रूप में कार्य करेंगे और दूसरों को बेहतर संभावनाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण लेने के लिए प्रेरित करेंगे।

रिजर्व बैंक ने रेपो दर 0.5 प्रतिशत बढ़ाकर 4.9 प्रतिशत की, क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से जोड़ा जाएगा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बढ़ती महंगाई को काबू में लाने के लिये बुधवार को प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.5 प्रतिशत बढ़ाकर 4.9 प्रतिशत कर दिया। आरबीआई के इस कदम से ऋण महंगा होगा और कर्ज की मासिक किस्त यानी ईएमआई बढ़ेगी। इससे पहले, चार मई को आरबीआई ने अचानक से रेपो दर में 0.4 प्रतिशत की वृद्धि की थी।

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन की बैठक के निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि एमपीसी ने आम सहमति से नीतिगत दर में 0.5 प्रतिशत की वृद्धि का फैसला किया है। रेपो दर में वृद्धि के साथ स्थायी जमा सुविधा (एसडीएफ) दर 4.65 प्रतिशत और सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर और बैंक दर 5.15 प्रतिशत हो गयी है। इसके साथ, छह सदस्यीय एमपीसी ने आने वाले समय में मुद्रास्फीति को लक्ष्य के दायरे में रखने के मकसद से राहत उपायों को धीरे-धीरे वापस लेने पर ध्यान केंद्रित करने का भी फैसला किया है।

दास ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा की घोषणा करते हुए कहा कि महंगाई दर चालू वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों में छह प्रतिशत से ऊपर बने रहने की आशंका है। उन्होंने कहा, ''वैश्विक स्तर पर वृद्धि को लेकर जोखिम और रूस-यूक्रेन युद्ध से तनाव के कारण मुद्रास्फीति को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। हालांकि, सरकार के आपूर्ति व्यवस्था में सुधार के कदमों से इसे नीचे लाने में मदद मिलेगी।'' आरबीआई ने अन्य बातों के अलावा इस साल मानसून सामान्य रहने तथा कच्चे तेल का दाम औसत 105 डॉलर प्रति बैरल रहने की मान्यताओं के आधार पर मुद्रास्फीति वित्त वर्ष 2022-23 में 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। पहली तिमाही में खुदरा मुद्रास्फीति के 7.5 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 7.4 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 6.2 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 5.8 प्रतिशत रहने की संभावना जतायी गयी है। इसमें घट-बढ़ का जोखिम बराबर बना हुआ है। आरबीआई मौद्रिक नीति पर विचार करते समय मुख्य रूप से खुदरा महंगाई दर को ध्यान में रखता है। खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल में आठ साल के उच्चस्तर 7.79 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह केंद्रीय बैंक के संतोषजनक स्तर से कहीं अधिक है।

केंद्रीय बैंक को खुदरा महंगाई दो से छह प्रतिशत के दायरे में रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। आर्थिक वृद्धि दर का उल्लेख करते हुए दास ने कहा, ''घरेलू आर्थिक गतिविधियां मजबूत हो रही हैं। संपर्क से जुड़े क्षेत्रों (होटल, रेस्तरां आदि) में तेजी से शहरी खपत बढ़ेगी। साथ ही इस साल मानसून के सामान्य रहने से ग्रामीण मांग को गति मिलने की उम्मीद है।'' उन्होंने कहा कि इसके अलावा क्षमता उपयोग में सुधार से निवेश में भी तेजी की संभावना है। हालांकि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर तनाव, जिंसों के ऊंचे दाम, आपूर्ति संबंधी बाधाएं और वैश्विक स्तर पर तंग वित्तीय स्थिति से परिदृश्य को लेकर जोखिम भी है।

महंगाई का असर!

विश्व बैंक ने घटाया भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान

नई दिल्ली। एजेंसी

विश्व बैंक का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2023-24 में भी भारत की वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत रह सकती है। यह उसके पिछले अनुमान से 0.30 प्रतिशत ज्यादा है। विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 7.5 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले उसने भारत की 2022-23 की आर्थिक वृद्धि दर 8.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। विश्व बैंक ने वैश्विक आर्थिक संभावनाओं पर मंगलवार को अपनी रिपोर्ट-ग्लोबल इकोनॉमिक प्रॉस्पेक्ट्स में कहा है कि उसने वर्तमान में मुद्रास्फीति के बढ़ते दबाव, आपूर्ति श्रृंखला में आ रही बाधाओं और भू-राजनीतिक तनावों से उत्पन्न चुनौतियों को देखते हुए भारत की वृद्धि दर के अनुमान को कम किया है। विश्व बैंक का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2023-24 में भी भारत की वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत रह सकती है। यह उसके पिछले अनुमान से 0.30 प्रतिशत ज्यादा है। पिछला अनुमान 6.8 प्रतिशत का था। रिपोर्ट में अनुमान है कि वर्ष 2024-25 भारत के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि 6.5 फीसदी रह सकती है। विश्व बैंक ने 2022 के वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि के अनुमान को भी 4.1 प्रतिशत से घटाकर 2.9 प्रतिशत कर दिया है। विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि वैश्विक वृद्धि 2021 के 5.7 प्रतिशत से घट कर 2022 में 2.9 प्रतिशत तक आ सकती है। इस वैश्विक वित्तीय संगठन में जनवरी में 2022 की वैश्विक आर्थिक वृद्धि का अनुमान 4.1 प्रतिशत रखा था।

महंगाई का असर

महंगाई बढ़ने की वजह से विकास दर घटने का अनुमान लगाया जा रहा है। ईंधन से लेकर खाद्य पदार्थों तक की कीमतों में वृद्धि हुई है। अप्रैल में मूल्य आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल में 15.08 हो गई। खुदरा मुद्रास्फीति आठ साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई। कई अन्य रेटिंग एजेंसियों ने भी भारत के विकास दर का अनुमान घटाया है। इनमें मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस , एसएडपी ग्लोबल रेटिंग भी शामिल है। आईएमएफ ने भी विकास दर का अनुमान 9 फीसदी सेघटाकर 8.2 फीसदी कर दिया था।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा से पहले शुरुआती कारोबार में रुपया नौ पैसे चढ़ा

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक का निर्णय आने से पहले बुधवार को शुरुआती कारोबार में रुपया नौ पैसे की बढ़त के साथ 77.69 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। फॉरेक्स डीलरों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में कमजोरी के रुख के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और विदेशी कोषों की सतत निकासी से रुपये का लाभ सीमित रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 77.70 पर खुला। बाद में यह और मजबूत हुआ और पिछले बंद स्तर की तुलना में नौ पैसे की बढ़त के साथ 77.69 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 77.78 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था।

रेपो रेट के बढ़ने से होम लोन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऐसे में यदि आपके पास 20 साल की अवधि के लिए रू. 10 लाख का कार लोन है, तो आपकी ईएमआई रू. 8,025 से रू. 8,584 तक बढ़ जाएगी। यानी रू. 559 की वृद्धि हुई।

पर्सनल लोन की EMI

इसी तरह, एसबीआई के पर्सनल लोन पर इस वक्त 7.05 प्रतिशत ब्याज दर है। यदि यह बढ़कर 7.95 प्रतिशत हो जाती है तो 10 साल की अवधि के साथ आपके रू. 10 लाख के बकाया पर्सनल लोन की ईएमआई रू. 11,637 से रू. 12,106 तक बढ़ जाएगी। प्रति ईएमआई रू. 469 की वृद्धि होगी।

क्यों रसातल में जा रहा रुपया, डॉलर के 80 पार जाने पर बढ़ेगा संकट, आप पर पड़ेगी महंगाई की मार

नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे की गिरावट के साथ 77.78 प्रति डॉलर के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। बीजेपी सरकार बनने के बाद 2014 में एक डॉलर लगभग रू. 62.33 में मिल रहा था और अब रू. 77.78 में।

घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली और विदेशों में डॉलर के मजबूत होने से मुद्रा बाजार में मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे की गिरावट के साथ 77.78 प्रति डॉलर के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। बीजेपी सरकार बनने के बाद 2014 में एक डॉलर लगभग रू. 62.33 में मिल रहा था और अब आठ साल बाद रू. 77.78 में मिल रहा है।

इक्रा की प्रमुख अर्थशास्त्री अदिति नायर का कहना है कि डॉलर के मुकाबले रुपया 79 के स्तर तक पहुंच सकता है। वहीं कुछ विश्लेषकों का कहना है कि यह 80 रुपये प्रति डॉलर के पार भी पहुंच सकता है। उनका कहना है कि ऐसी स्थिति में हालात और खराब हो सकते हैं।

आप पर ऐसे पड़ेगा असर

खाद्य तेल और दलहन का बड़ी मात्रा में भारत आयात करता है। डॉलर महंगाई होने से तेल और दाल के लिए अधिक खर्च करने पड़ेंगे जिसका असर इनकी

कीमतों पर होगा। ऐसे में इनके महंगा होने से आपके किचन का बजट बिगड़ सकता है। इसके अलावा विदेश में पढ़ाई, यात्रा, दलहन, खाद्य तेल, कच्चा तेल, कंप्यूटर, लैपटॉप, सोना, दवा, रसायन, उर्वरक और भारी मशीन जिसका आयात किया जाता है वह महंगे हो सकते हैं।

दरअसल डॉलर कभी इतना महंगा नहीं था , इसे बाज़ार की भाषा में कहा जा रहा हैं कि रुपया रिकॉर्ड लो पर यानी अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। मुद्रा का दाम हर रोजाना घटता बढ़ता रहता है। डॉलर की जरूरत बढ़ती चली गई। इसकी तुलना में बाक़ी दुनिया में हमारे सामान या सर्विस की मांग नहीं बढ़ी, इसी कारण डॉलर महंगा होता चला गया।

क्यों बढ़ रहा है डॉलर का भाव

पहला कारण कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी। भारत अपनी जरूरत के 80% कच्चे तेल को इंपोर्ट करता है। अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में एक बैरल कच्चे तेल की कीमत 121 डॉलर से ज्यादा चल रही है। यानी भारत को कच्चे तेल के लिए ज़्यादा डॉलर खर्च करने पड़ रहे हैं। ये डॉलर हमारी तेल कंपनियों को बाज़ार से खरीदना पड़ता है। डॉलर की मांग बढ़ रही हैं तो फिर उसकी कीमत भी बढ़ रही है। इसी तरह हम फ़ोन ,कम्प्यूटर, सोना डॉलर खर्च करके देश में मंगवाते है।

दूसरा कारण है अमेरिका में ब्याज दर बढ़ना। महंगाई से निपटने के लिए भारत ही नहीं, अमेरिका समेत कई बड़े देश ब्याज दरों को बढ़ा रहे हैं। इसका परिणाम ये है कि जो विदेशी निवेशक भारत के शेयर या बांड बाजार में पैसे लगा रहे थे, उन्हें डॉलर पर अमेरिका में अधिक रिटर्न मिलेगा तो वो डॉलर वापस ले जाएंगे यानी डॉलर की क़िल्लत हो सकती है।

फिर से खुला शहर का पसंदीदा फन एंड गेमिंग आर्केड

सयाजी इंदौर का गो बनानाज 2 साल के लंबे ब्रेक के बाद पूरे धूमधाम से री-लॉन्च हुआ

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

अपनी शानदार विरासत, मजबूत मान्यताओं और जीवंत परिवेश के लिए प्रसिद्ध, सयाजी ग्रुप ऑफ होटल्स, ने भोजन-प्रेम के लिए चर्चित इंदौर शहर में गो बनानाज को फिर से शुरू करने के लिए तैयार हैं। गो बनानाज मध्य भारत का पहला बॉलिंग एली और गेमिंग जोन है, जो पिछले कई दशकों से शहर का सबसे पसंदीदा मनोरंजन स्थल रहा है। आउटलेट को री-लॉन्च करते हुए, सयाजी का लक्ष्य मनोरंजन संस्कृति को फिर से बहाल करना है। आउटलेट 4 जून 2022 से प्रसिद्ध डीजे, साउंड अवतार के साथ एक उद्घाटन संगीत कार्यक्रम के साथ दर्शकों के लिए खुल गया है। इस उद्घाटन के साथ गो बनानाज अपने नियमित मेहमानों के लिए न केवल नए रूप में खानपान और पेय परोस रहा है, बल्कि एक नए और समग्र अनुभव का आश्चर्य प्रदान करने के लिए तैयार है।

इस नए री-लॉन्च आउटलेट में नया माहौल, नया लुक एंड फील और नए स्टैंडआउट नाइट्स शामिल हैं। इस री-लॉन्च के साथ गो बनानाज का लक्ष्य पारिवारिक मनोरंजन, कॉलेज हैंग-आउट, खास मौकों के आयोजनों और शहर में पार्टी करने के सबसे लोकप्रिय स्थल के लिए वन स्टॉप डेस्टिनेशन प्रदान करना है। आउटलेट को री-लॉन्च करने के लिए सयाजी इंदौर की ऑपरेशंस, एफएंडबी और मार्केटिंग टीम ने इंदौर शहर के इस मोस्ट वांटेड पार्टी वाइब को संवारने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

री-लॉन्च के बारे तें बताते हुए, श्री आशू भटनागर, जनरल मैनेजर, सयाजी होटल इंदौर ने कहा कि 'सभी मुश्किलों के दौरान, हम अपनी मुस्कान के साथ बने रहे और अब वही मुस्कान अपने ग्राहकों के चेहरों पर लाना हमारी जिम्मेदारी है। सयाजी इंदौर अगली पीढ़ी को उनके दौर की जरूरतों और पसंद को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। सयाजी इंदौर का लक्ष्य सभी वर्ग के मेहमानों की जरूरतों को पूरा करना और सभी के लिए एक ऑफर पेश करना है, और अपने इस लक्ष्य को हम पूरी तरह से ध्यान में रखते हैं। हम गो बनानाज के री-लॉन्च के साथ शहर से शानदार रिस्पॉन्स की उम्मीद कर रहे हैं और हम यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारे पास आपके लिए रियल टाइम में प्रदान करने के लिए कुछ सरप्राइज हैं।'

एक्सेंचर ने इंदौर में एडवांस्ड टेक्नॉलॉजी सेंटर शुरू किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

एआई, क्लाउड, डेटा एनालिटिक्स, मेटावर्स आदि में परिवर्तनकारी टेक्नॉलॉजी सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए डिजिटल डिलीवरी नेटवर्क का विस्तार किया। एक्सेंचर ने इंदौर, मध्यप्रदेश में अपना नया एडवांस्ड टेक्नॉलॉजी सेंटर भारत में खोला। यह नई सुविधा कंपनी के ग्लोबल डिलीवरी नेटवर्क के विस्तार को प्रदर्शित करती है और यह ग्राहकों को डिजिटल परिवर्तन एवं इनोवेशन लाने में मदद करने के लिए क्रॉस-इंडस्ट्री टेक्नॉलॉजी समाधानों की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने तथा उनका विकास करने पर केंद्रित होगी। महेश जुराले, सीनियर मैनेजिंग डायरेक्टर, लीड - एडवांस्ड टेक्नॉलॉजी सेंटर्स इन इंडिया, एक्सेंचर ने कहा, "हम इंदौर में अपनी मजबूत पहुंच बनाने के लिए उत्साहित हैं। हमारे उद्योग की प्रमुख जन नीतियाँ बाजार में अग्रणी पीपल पॉलिसीज़, लर्निंग एवं विकास में बड़े निवेश, और टेक्नॉलॉजी के गहन क्षेत्रों व औद्योगिक डोमेंस में असीमित अवसर स्थानीय प्रतिभा के लिए नए द्वार खोलेंगे और लचीलेपन के साथ अपनी जगह से काम करने के इच्छुक लोगों को सहयोग मिलेगा।''वर्तमान में एक्सेंचर डिजिटल, क्लाउड, डेटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई, एक्सटेंडेड रियलिटी/मेटावर्स एवं प्लेटफॉर्म्स में विभिन्न पदों पर नियुक्तियां कर रहा है। एक्सेंचर भारत में एक अग्रणी टेलेंट ब्रांड है और देश में शीर्ष रोजगारदाताओं के बीच विभिन्न एम्प्लॉयर रैंकिंग्स के साथ मान्यताप्राप्त है। इस कंपनी को समानता की संस्कृति के निर्माण के लिए अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के लिए व्यापक तौर से मान्यता मिली है और यह दुनिया की उन पहली कंपनियों में है, जिन्होंने साल 2025 तक जेंडर बैलेंस्ड वर्कफोर्स प्राप्त करने का लक्ष्य स्थापित किया है। भारत में वर्तमान में, कार्यबल में लगभग 47 प्रतिशत महिलाएं हैं, जिनमें से 26 प्रतिशत नेतृत्वकारी भूमिकाओं में काम कर रही हैं। इंदौर मुंबई, बैंगलोर, चेन्नई, हैदराबाद, पुणे, कोलकाता, और दिल्ली की सूची में शामिल हो गया है, जहां पर एक्सेंचर के एडवांस्ड टेक्नॉलॉजी सेंटर स्थित हैं।

सरकार की कोशिश के बावजूद नहीं बिकी ये सरकारी कंपनी, अब बेचने की प्रक्रिया पूरी तरह हुई बंद

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (BPCL) का प्राइवेटाइजेशन (privatization) रोकना पड़ रहा है। दरअसल, खरीदार नहीं मिलने के कारण सरकार को बीपीसीएल के प्राइवेटाइजेशन को रोकना पड़ा। केंद्र ने हाल ही में बीपीसीएल के रणनीतिक विनिवेश के लिए वर्तमान ईओआई प्रक्रिया को बंद कर दिया था। अब आज मंगलवार को बीपीसीएल ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि डेटा रूम सहित भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड में सरकार की हिस्सेदारी के विनिवेश के संबंध में सभी गतिविधियां बंद की जा रही हैं।

53% हिस्सेदारी बेचने की थी योजना?

सरकार की BPCL में 52.98 प्रतिशत हिस्सेदारी है। पहले सरकार समूची हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही थी। हालांकि, बाद में ऐसी खबरें आई थीं कि सरकार हिस्सेदारी बेचने की योजना में बदलाव कर सकती है। ऐसा अनुमान लगाया गया था कि सरकार 25-30 फीसदी हिस्सेदारी बेच सकती है। अब बोलीदाताओं के पीछे हटने से सरकार की योजना को झटका लगा है।

क्या कहना है सरकार का?

निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग के अनुसार, कोरोनोवायरस महामारी और भू-राजनीतिक स्थितियों ने दुनिया भर के सेक्टर्स खासकर तेल और गैस उद्योग को प्रभावित किया है। DIPAM के मुताबिक, 'ग्लोबल एनर्जी मार्केट में मौजूदा परिस्थितियों के कारण, अधिकांश क्यूआईपी (क्वालिफाइड इंटरेस्टेड पार्टीज) ने बीपीसीएल के विनिवेश की मौजूदा प्रक्रिया को जारी रखने में असमर्थता व्यक्त की है।' दीपम ने कहा कि विनिवेश पर जीओएम बीपीसीएल के रणनीतिक विनिवेश के लिए मौजूदा ईओआई प्रक्रिया को रोकने के लिए सहमत हो गया था और क्यूआईपी से प्राप्त ईओआई को रद्द कर दिया जाएगा।

कोका कोला इंडिया अगले दो-तीन वर्षों में बोतलों, कैनों का शत-प्रतिशत पुनर्चक्रण करेगी

नयी दिल्ली। एजेंसी

शीतल पेय कंपनी कोका-कोला इंडिया भारत में अपने 100 प्रतिशत बोतलों और कैनों का पुनर्चक्रण (रिसाइक्लिंग) करेगी। कंपनी ने अपनी 'कचरे के बिना दुनिया' पहल के तहत अगले दो से तीन वर्षों में पुनर्चक्रण की लक्ष्य हासिल करने की उम्मीद जताई है। कोका कोला इंडिया ने कचरे के बिना दुनिया नाम से अपनी वैश्विक पहल के तहत वर्ष 2030 तक बेचने वाली अपनी हर बोतल और कैन को एकत्र कर रिसाइकल करने का लक्ष्य रखा है। कोका-कोला इंडिया की सार्वजनिक मामला एवं संचार उपाध्यक्ष देवयानी राज्य लक्ष्मी राणा ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा कि कंपनी का ध्यान बहुस्तरीय पैकेजिंग (एमएलपी) की बजाय बोतलों और कैनों को एकत्र कर उनका रिसाइकल करने पर है।

एमेज़ॉन इंडिया ने भारत में मशीन लर्निंग का कौशल बढ़ाने के लिए

दो फ्लैगशिप कार्यक्रमों का आयोजन किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

एमेज़ॉन इंडिया ने मशीन लर्निंग (एमएल) समर स्कूल का दूसरा संस्करण लॉन्च किया; यह एक इमर्सिव प्रोग्राम है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को एमेज़ॉन के वैज्ञानिकों द्वारा मशीन लर्निंग टेक्नॉलॉजी सीखने का अवसर प्रदान करना और उन्हें साईंस के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए तैयार करना है। यह कोर्स जुलाई में चार वीकेंड्स तक चलाया जाएगा, और विद्यार्थियों को सुपरवाईज़्ड लर्निंग, डीप नैचुरल नेटवर्क्स, सीक्वेंशल मॉडल्स, डायमेंशनालिटी रिडक्शन, अनसुपरवाईज़्ड लर्निंग सहित मशीन लर्निंग की मूलभूत बातें और दो नए मॉड्यूल, रिइन्फोर्समेंट लर्निंग और कैज़्युअल इन्फेरेंस के बारे में जानने का अवसर देगा। प्रतिभागियों को हर साल नवंबर में आयोजित होने वाले इंगेज़मेंट प्रोग्राम एमेज़ॉन रिसर्च डेज़ (एआरडी) कॉन्फ्रेंस में सम्मिलित होने का मौका भी मिलेगा। एआरडी एमेज़ॉन में वैज्ञानिक समुदाय, औद्योगिक लीडर्स, एवं दुनिया में एआई के क्षेत्र में काम करने वाले शैक्षणिक शोधकर्ताओं के बीच संपर्क स्थापित करता है। एमेज़ॉन अगस्त में अपनी फ्लैगशिप मशीन लर्निंग प्रतियोगिता, मशीन लर्निंग चैलेंज का आयोजन भी करेगा, जो विद्यार्थियों को एमेज़ॉन

डेटाबेस पर काम करने का अद्वितीय अवसर प्रदान करता है और वो वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए नए विचार एवं अभिनव समाधान प्रस्तुत करने में सक्षम बनते हैं। विजेता टीमों को एमेज़ॉन में मशीन लर्निंग की भूमिकाओं में प्रि-प्लेसमेंट इंटरव्यू (पीपीआई) में सम्मिलित किया जाएगा और उन्हें नकद पुरस्कार, स्वैग एवं सर्टिफिकेट दिए जाएंगे। राजीव रस्तोगी, वाईस प्रेसिडेंट- इंटरनेशनल मशीन लर्निंग एमेज़ॉन, ने कहा, ''एमेज़ॉन मशीन लर्निंग समर स्कूल का उद्देश्य प्रतिभागी विद्यार्थियों को विस्तृत विषयों पर सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण प्रदान करना है, जो आधुनिक मशीन लर्निंग के मूलभूत तत्वों का निर्माण करते हैं। ट्यूटोरियल के सत्रों में सैद्धांतिक और प्रायोगिक ज्ञान का उचित मिश्रण है और यह प्रशिक्षण हमारे मशीन लर्निंग के वैज्ञानिकों द्वारा प्रदान किया जाता है, जो अपने क्षेत्र में विशेषज्ञ होते हैं। यह प्रोग्राम मशीन लर्निंग में उत्कृष्टता का विकास करने और युवा प्रतिभाओं में एप्लाईड साईंस के कौशल का विकास करने का एक मंच है। मशीन लर्निंग समर स्कूल के साथ हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को आवश्यक प्रायोगिक अनुभव प्रदान करना और उन्हें साईंस के क्षेत्र में काम करने के लिए तैयार करना है।'' देबर्षि चंदा, आईआईटी गुवाहाटी (चैलेंज के विजेता टीम सदस्यों में से एक) ने कहा, ''यह मेरे लिए लर्निंग का एक बेहतरीन अनुभव था। वास्तविक दुनिया के इतने ज्यादा डेटा पर काम करना हमारे लिए असामान्य था, पर हमने प्रशिक्षण के संपूर्ण डेटा का इस्तेमाल करने की रणनीति तैयार कर ली। हमने अनेक चीजें सीखीं, कई नई चीजें आजमाकर देखीं। यह एक यादगार अनुभव है।''

इरडा ने तय की गंभीर बीमारियों की परिभाषा, बीमा दावे रद्द होने की आशंका कम होगी, क्लेम आसानी से मिलेगा

नई दिल्ली। एजेंसी

नई परिभाषा के मुताबिक कैंसर पॉलिसी में गंभीरता को बताते हुए ल्यूकेमिया, लिम्फोमा एंड सर्कोमा को गंभीर बीमारी में शामिल किया गया है, बाकी कैंसर सामान्य बीमा पॉलिसी में ही कवर होंगे।

भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण यानी इरडा के ताजा सर्कुलर के मुताबिक देश में कुछ गंभीर बीमारियों की नए सिरे से परिभाषा तय कर दी गई है। जानकारों के मुताबिक नई व्यवस्था में पहले के मुकाबले लोगों के गंभीर बीमारियों से जुड़े बीमा दावे रद्द होने की आशंका कम हो जाएगी। साथ ही बीमा कंपनियों को भी इस बारे में स्पष्ट संदेश मिलेगा कि गंभीर बीमारियों से जुड़े बीमा कवर में किन बीमारियों को शामिल किया

जाना है।

इन बीमारियों को किया गया है शामिल

नई परिभाषा के मुताबिक कैंसर पॉलिसी में गंभीरता को बताते हुए ल्यूकेमिया, लिम्फोमा एंड सर्कोमा को गंभीर बीमारी में शामिल किया गया है, बाकी कैंसर सामान्य बीमा पॉलिसी में ही कवर होंगे। इसके अलावा मल्टिपल सिरोसिस और आवाज का खो जाना जैसी स्थिति के साथ होने वाली परेशानियों को गंभीर बीमारी की परिभाषा से जुड़े दायरे में रखा गया है। 2020 में आईआरडीए ने गंभीर बीमारियों की पूरी सूची तैयार की थी। अब उसी सूची में इन बीमारियों को नए सिरे से परिभाषित किया गया है। हालांकि गंभीर बीमारी से जुड़ी पॉलिसी का खर्चा इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्ति किस शहर में रहता है या फिर उसे किन बीमारियों की आशंका के लिए कवर चाहिए। विशेषज्ञों के मुताबिक नए नियमों से बीमा दावों के निपटान में आसानी होगी। केयर रेटिंग के इंश्योरेंस रिसर्च हेड सौरभ भालेराव ने हिन्दुस्तान को बताया कि कई मामलों में नियमों में स्पष्टीकरण न होने से बीमार व्यक्ति को दावों के निपटान के लिए कई जगह भटकना पड़ता था और बीमा कंपनियों की तरफ से दावा राशि मिलने में दिक्कत होती थी। अब इरडा की तरफ से परिभाषा में सफाई मिलने से उनका बीमा दावा खारिज नहीं होगा और बीमा कंपनी को भी बीमा की दावा राशि देने में आसानी होगी।

याकुल्ट को प्रोबायोटिक प्रोडक्ट कंपनी ऑफ द ईयर अवार्ड मिला

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

विश्व के जाने-माने प्रोबायोटिक ब्राण्ड याकुल्ट को प्रोबायोटिक प्रोडक्ट कंपनी ऑफ द ईयर का प्रतिष्ठित अवार्ड मिला ।इस कार्यक्रम का आयोजन सिनेक्स ग्रुप ने हाल ही में तीसरे इंडिया फूड न्यूट्रीशन समिट एंड अवाड्र्स 2022 में किया था 2018 से शुरू हुआ। यह समिट एक संवादपरक फोरम है जिसमें खाद्य उद्योग विनियामकों पोषण विशेषज्ञों नीति निर्माताओं और अन्य हितधारक एकसाथ आते हैं। वे भारत में फंक्शनल फूड्स न्यूट्रास्युटिकल्स डेयरी सप्लीमेंट्स और स्वास्थ्य खाद्य उद्योग के विकास को लेकर चर्चा एवं विचार-विमर्श करते हैं जानकारी का आदान-प्रदान करते हैं और नए-नए आइडियाज को आपस में साझा करते हैं। पुरस्कार ग्रहण करते हुए याकुल्ट डैनोन इंडिया प्रा.लि. के हाल ही में नियुक्त प्रबंध निदेशक श्री हिरोशी हमादा ने कहा यह याकुल्ट परिवार के लिये वाकई गर्व का क्षण है और हमारे महत्वपूर्ण तथा संतुष्ट उपभोक्ताओं ने हमारे ब्राण्ड् में काफी विश्वास और दृढ़ता दिखाई है प्रोबायोटिक्स भारत के लिये नये नहीं हैं लेकिन उनके वैज्ञानिक रूप से सत्यापित स्वास्थ्य लाभों को समझाने के लिये उपभोक्ता के साथ लगातार जुड़ाव जरूरी होता है याकुल्ट इंडिया अपने व्यापक उपभोक्ता आधार और विविधतापूर्ण भूगोल के कारण प्रोबायोटिक्स के सेवन हेतु कई अवसर देती है हम अपने सिग्नैचर प्रोबायोटिक याकुल्ट और याकुल्ट लाइट के माध्यम से उपभोक्ताओं के लिये इस वादे को निभाने का प्रयास करेंगे और इसे जारी रखेंगे यह उत्पाद आंतों के स्वास्थ्य को सुधारते हैं और एक बेहतर तथा ज्यादा उत्पादक जीवन के लिये रोग प्रतिरोधक क्षमता के निर्माण में मदद करते हैं।'

मोंटेनेग्रो-इंडिया ऑफिस के कांसुलेट जनरल को मिला सोलर मेकओवर

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

मोंटेनेग्रो के कांसुलेट जनरल का ऑफिस अब अपनी छत पर स्थापित 10 ें सोलर पॉवर प्लांट की बदौलत स्वयं की स्वच्छ बिजली उत्पन्न करेगा। इस ग्रीन इनिशिएटिव की अवधारणा और संचालन माननीय कॉन्सुल जनरल, एच.ई. डॉ. जनिस दरबारी द्वारा व्यक्तिगत रूप से किया गया था। वहीं प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. राज लक्ष्मी दरबारी द्वारा सोलर पॉवर प्लांट पर काम शुरू किया गया था। वे प्रोजेक्ट के लिए नवीनतम उन्नत तकनीकों, सर्वोत्तम उपकरणों और सामग्रियों की खरीद के लिए भी जिम्मेदार थी। मोंटेनेग्रो के कांसुलेट जनरल ने ऑफिस में स्थापित 535-540 डब्ल्यूपी हाई-एफिशिएंसी मोनोपीईआरसी सोलर पीवी मॉड्यूल्स के लिए भारत की सबसे बड़ी वर्टिकली इंटीग्रेटेड सोलर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी, अदाणी सोलर के साथ समझौता किया है। सोलर प्रोजेक्ट को एम्प्लस सोलर द्वारा इन्स्टॉल और शुरू किया गया, और बीएसईएस द्वारा नेट मीटरिंग सेवाएँ प्रदान की गईं है। सोलर मेकओवर प्रोग्राम के इस सफल ग्रीन इनिशिएटिव को विदेश मंत्रालय और नवीन तथा नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा समर्थन प्राप्त है।

मोंटेनेग्रो के कांसुलेट जनरल के प्रवक्ता एच.ई. डॉ. जेनिस ने कहा, 'यह हमारे लिए एक ट्रांसफॉर्मेटिव प्रोजेक्ट था। हमें अदाणी सोलर के साथ काम करके खुशी हुई, जिन्होंने एक किफायती रिन्यूएबल एनर्जी सॉल्यूशन के साथ क्लीन एनर्जी ट्रांज़िशन की दिशा में एक आम दृष्टिकोण सबके समक्ष पेश क्या है। हमारे सभी भागीदारों ने हमारे कांसुलेट ऑफिस के इस सोलर मेकओवर को क्रियान्वित करने के लिए एक सराहनीय कार्य किया है। इस पहल के तहत, हम भविष्य में भी ऐसे प्रोग्राम्स को लागू करने की योजना बना रहे हैं।' मोंटेनेग्रो का कांसुलेट जनरल ऑफिस पूरी तरह से सोलर एनर्जी से संचालित होने वाला, नई दिल्ली में पहला एम्बेसी/कांसुलेट जनरल ऑफिस बन गया है। यहाँ तक कि यह रूफटॉप पर एक 530 डब्लूपी सोलर पीवी मॉड्यूल, प्रति वर्ष 800 किलोवाट (यूनिट) तक उत्पन्न करता है और यह 10 किलोवाट सोलर एरे, सालाना 13.5 मीट्रिक टन कार्बन एमिशन्स को समाप्त कर देगा, जिससे ऑफिस अधिक ऊर्जा कुशल हो जाएगा।

गंगा दशहरा : जिन दस योगों में गंगा धरती पर आईं उनमें से सात योग बनेंगे इस बार, स्नान-दान से खत्म होंगे 10 तरह के पाप

गंगा दशहरा 9 जून को है। ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष दशमी को ये पर्व मनाया जाता है। ये गंगाजी के पृथ्वी पर अवतरण का दिन है। इस दिन गंगा नदी में स्नान, दान और उपवास रखने का विशेष महत्व है। मांगलिक कामों के लिए भी ये दिन बहुत अच्छा माना गया है। इस साल ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर हस्त नक्षत्र और व्यतिपात योग के साथ ही वृष राशि का सूर्य और कन्या राशि में चंद्रमा के रहते हुए गंगा दशहरा पर्व मनाया जाएगा। इस पर्व पर गंगाजी या पास की किसी भी पवित्र नदी, सरोवर या घर में गंगाजल से नहाने की परंपरा है। इसके बाद देवी गंगा के साथ नारायण, शिव, ब्रम्हा, सूर्य, राजा भगीरथ और हिमालय पर्वत का भी पूजन करना चाहिए।

इन 10 योगों की मान्यता है गंगा दशहरा पर

पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र बताते हैं कि जिन दस योगों में गंगा धरती पर आईं थी। उनमें से सात योग इस बार बन रहे हैं। ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी को 10 योगों में देवी का पृथ्वी पर अवतरण हुआ था। इसलिए इस पर्व को दशहरा कहा गया है। इसमें ये दस योग कहे गए हैं- ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, बुधवार, हस्त नक्षत्र, व्यतिपात योग, गर करण, आनंद योग, कन्या का चंद्रमा और वृषभ का सूर्य। डॉ. मिश्र के अनुसार इस बार गंगा दशहरा पर 10 में से 7 योग बन रहे हैं, जिनमें ये पर्व मनाया जाएगा। आनंद योग, गर करण और बुधवार का संयोग इस बार नहीं है।

दान करने का महत्व

इस दिन 10 अंक का विशेष महत्व होता है, मतलब गंगा दशहरा के दिन आप जो भी दान करें उसकी संख्या 10 हो तो बहुत ही शुभ माना गया है। यही नहीं पूजा-पाठ में शामिल सामग्रियों की संख्या भी, जैसे 10 दीप, फूल, फल आदि। यहां तक कि गंगा में डुबकी भी 10 बार लगानी चाहिए। इस दिन जो भी मनोकामना की जाती है वो पूरी होती है।

गंगा दशहरे पर मीठे पेय, मटका, पंखा, खरबूजा, आम, चीनी आदि चीजों का दान करने से पुण्य प्राप्त होता है। ऐसे भी कहा जाता है कि गंगा में स्नान मात्र करने से 10 तरह के पाप धुल जाते हैं, जिसमें 3 दैहिक, 4 वाणी के द्वारा किए पाप और 3 मानसिक पाप शामिल हैं। इसलिए हिंदू धर्म के मानने वाले अपने जीवन काल में एक बार तो गंगा स्नान जरूर करते हैं।

कौन से दस पाप खत्म होते हैं

ब्रह्मपुराण के अनुसार, हस्त नक्षत्र के साथ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष दशमी दस तरह के पाप खत्म करने वाली होती है। इसलिए इसे दशहरा कहते हैं। दस पाप में बिना मंजूरी के दूसरे की चीज लेना, हिंसा, परस्त्री गमन, कड़वा बोलना, झूठ बोलना, पीछे से बुराई या चुगली करना, फालतू बातें करना, दूसरे की चीजों को गैर कानूनी ढंग से लेने का विचार करना, दूसरे का बुरा होने की कामना करना और नास्तिक बुद्धि रखना शामिल है।

गोमती चक्र के फायदे जानकर आप रह जाएंगे हैरान

सभी समस्याओं का होता है इससे निदान

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

शास्त्रों में गोमती चक्र को बहुत शुभ आध्यात्मिक शैल पत्थर एवं भगवान श्रीकृष्ण के सुदर्शन चक्र का सूक्ष्म स्वरूप माना गया है। यह पवित्र गोमती नदी में प्राकृतिक रूप से पाया जाता है। मान्यता है कि यह जिस घर में भी रहता है वहां सुख और समृद्धि बनी रहती है और उस घर में लक्ष्मीजी का वास रहता है। इतना ही नहीं यह लगभग सभी समस्याओं को दूर कर आपके जीवन में खुशियों के द्वार खोल देता है। आइए जानते हैं कि गोमती चक्र से जुड़े कुछ खास उपाय...

वास्तु दोष दूर करे

गोमती चक्र का घर के वास्तुदोष निवारण में भी बहुत योगदान है।भवन निर्माण के समय इमारत के नीचे 11 गोमती चक्र मिटटी में दबा देने से घर में रहने वाले सभी सदस्यों के जीवन में सुख-समृद्धि आती है और घर नेगेटिव एनर्जी से दूर रहता है। यदि घर पहले से बना हुआ है और दबाने की कोई जगह नहीं है तो 11 गोमती चक्र अपने पूजा स्थल में रखें।

रोगी को होगा फायदा

यदि आपके घर का कोई सदस्य इलाज करने के बाद भी ठीक नहीं होता है तो 21 सिद्ध अभिमंत्रित गोमती चक्र रोगी के सिर पर घुमाएं और उसे बीमार आदमी के पलंग में बांध दें, ऐसा करने से वह जल्दी स्वस्थ होगा।

व्यवसाय में वृद्धि के लिए गोमती चक्र

व्यापार में वृद्धि के लिए गोमती चक्र का इस्तेमाल किया जा सकता है। अपने व्यवसाय के स्थान पर शुक्ल पक्ष में गुरुवार के दिन आप हल्दी और केसर से 12 गोमती चक्रों पर तिलक लगाकर एक कपड़े में बांध कर रख दें। चाहें तो इस कपड़े को आप चौखट पर लटका भी सकते हैं। ऐसा करने से व्यापार में जल्द ही वृद्धि होने लगेगी। इसी प्रकार गोमती चक्र लाल कपड़े में लपेटकर लॉकर या कैश बॉक्स में रखने से कभी धन की कमी नहीं होती।

बेहतर शिक्षा के लिए गोमती चक्र

विधार्थियों को शिक्षा में एकाग्रता न मिल रही हो, तो गोमती चक्र को सात बार अपने सिर पर फिराकर खुद ही अपने पीछें दक्षिण दिशा की ओर फेंक देना चाहिए। यह प्रयोग एकांत स्थान पर करना चाहिए तथा प्रयोग के बाद किसी से इनका जिक्र नहीं करना चाहिए। इसी प्रकार बच्चों की पढ़ाई में कोई परेशानी या रुकावट आ रही है, तो सोमवार के दिन भगवान शिव को जल अर्पण करके 11 गोमती चक्र अर्पित करें। फिर इनको लेकर बच्चों के पढ़ाई वाले कमरे में लाल वस्त्र में बांधकर रख दें,लाभ होगा।

सुखी दांपत्य जीवन के लिए

अगर पति-पत्नी के मध्य क्लेश बढ़ता जा रहा है, तो लाल रंग के कपड़े में मुट्ठी भर पीली सरसों के दाने और गोमती चक्र रखें। गोमती चक्र पर पति-पत्नी का नाम लिखा होना चाहिए। अब इस कपड़े को बांधकर सदैव अपने कमरे में किसी ऐसे स्थान पर रखें, जहां से वह हमेशा नजर आता रहे। इससे रिश्ते पर सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव रहता है,और आपसी प्यार बढ़ेगा।

गायत्री प्राकट्योत्सव 9 जून को

पंच तत्वों की देवी हैं मां गायत्री, इनकी पूजा से बढ़ती है उम्र और सुख-समृद्धि भी मिलती है

हिंदू कैलेंडर के अनुसार ज्येष्ठ महीने के शुक्लपक्ष की दशमी तिथि को मां गायत्री का अवतरण माना जाता है। इस दिन को गायत्री जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस बार गायत्री जयंती पर्व 9 जून, गुरुवार को है। हिंदू धर्म में मां गायत्री को वेदमाता कहा जाता है। यानी सभी वेद, इन्हीं से बने हैं। मां गायत्री को भारतीय संस्कृति की जननी भी कहा जाता है।

अथर्ववेद में बताया गया है कि मां गायत्री से आयु, प्राण, प्रजा, पशु, कीर्ति, धन एवं ब्रह्मवर्चस मिलता है। विधि और नियमों से की गई गायत्री उपासना रक्षा कवच बनाती है। जिससे परेशानियों के समय उसकी रक्षा होती है। देवी गायत्री की उपासना करने वालों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

पंच तत्वों की देवी हैं मां गायत्री

हिंदू धर्म में मां गायत्री को पंचमुखी माना गया है। जिसका अर्थ है यह संपूर्ण ब्रह्मांड जल, वायु, पृथ्वी, तेज और आकाश के पांच तत्वों से बना है। संसार में जितने भी प्राणी हैं, उनका शरीर भी इन्हीं पांच तत्वों से बना है। पृथ्वी पर प्रत्येक जीव के भीतर गायत्री प्राण-शक्ति के रूप में है। यही कारण है गायत्री को सभी शक्तियों का आधार माना गया है। इसीलिए गायत्री उपासना जरूर करनी चाहिए।

गायत्री मंत्र का जाप करते वक्त ध्यान रखने वाली बातें

1. गायत्री मंत्र जाप के लिए सुबह का समय सबसे अच्छा माना गया है। गायत्री मंत्र के लिए नहाने के साथ ही मन और आचरण भी पवित्र रखना होता है।

2. साफ और सूती कपड़े पहनकर कुश या कंबल का आसन बिछाकर मंत्र जाप करने का विधान है।

3. मंत्र जाप के लिए तुलसी या चन्दन की माला इस्तेमाल करनी चाहिए। इस मंत्र का मानसिक जाप किसी भी समय किया जा सकता है।

4. शौच या अचानक काम के कारण जाप में बाधा आने पर हाथ-पैर धोकर फिर से जाप करें। बाकी मंत्र जाप की संख्या को थोड़ी-थोड़ी पूरी करें। साथ ही एक से अधिक माला कर जाप बाधा दोष का शमन करें।

5. गायत्री मंत्र जाप करने वाले का खान-पान शुद्ध होना चाहिए। लेकिन जिन लोगों का सात्विक खान-पान नहीं है, वो भी गायत्री मंत्र जाप कर सकते हैं, क्योंकि माना जाता है कि इस मंत्र के असर से ऐसा व्यक्ति भी शुद्ध और सद्गुणी बन जाता है।

डॉक्टर की पर्ची के बिना मिलेगी पेरासिटामोल और 15 दूसरी दवाइयां

नई दिल्ली। एजेंसी

पेरासिटामोल और आम इस्तेमाल वाली 15 अन्य दवाइयों को खरीदने के लिए अब डॉक्टर की पर्ची की जरूरत नहीं पड़ेगी। सरकार इन दवाओं को ओवर द काउंटर (ध्ऊण) लिस्ट में डालने की तैयारी में है। यानी इन दवाओं को खरीदने के लिए डॉक्टर की पर्ची की जरूरत नहीं पड़ेगी। इनमें पेरासिटामोल के अलावा डायक्लोफेनेक बंद नाक खोलने में काम आने वाली दवाएं और एंटी-एलर्जिक दवाएं शामिल हैं। हेल्थ मिनिस्ट्री ने ड्रग रूल्स 1945 में बदलाव के लिए गजट नोटिफिकेशन जारी किया है ताकि इन दवाओं को कानून के शेड्यूल के में शामिल किया जा सके। इससे रिटेलर

इसे डॉक्टर की पर्ची के बिना बेच सकेंगे। इसका मकसद लोगों की आम इस्तेमाल वाली दवाओं की पहुंच को बढ़ावा देना है।

इन 16 दवाओं में एंटीसेप्टिक और डिसइंफेक्टेंट एजेंट, गिंगीवाइटिस के इलाज में काम आने वाला माउथवॉश क्लोरोहेक्साडाइन (ण्प्दिदर्पेग्हा), खांसी के इलाज में काम आने वाली दवा अ्रैंदसूप्दिर्ज्ह ध्र्दिंदस्ग् थ्र्दीहो, एंटी बैक्टीरियल एक्नी फॉर्मुलेशन, एंटी फंगल क्रीम, बंद नाक खोलने में काम आने वाली दवा, एनलजेसिक क्रीम फॉर्मुलेशन और एंटी एलर्जी कैप्सूल शामिल हैं। प्रस्तावित बदलावों से इन दवाओं को डॉक्टर की पर्ची के बिना बेचा जा सकेगा और इन तक लोगों की पहुंच आसान होगी।

शर्तों के साथ बिक्री

हालांकि इन दवाओं की ओवर द काउंटर बिक्री की अनुमति कुछ शर्तों के साथ दी जाएगी। उदाहरण के लिए इलाज या इस्तेमाल की अधिकतम अवधि पांच दिन से अधिक नहीं होनी चाहिए। अगर इससे मरीज को आराम नहीं मिलता है तो उसे डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए। हेल्थ मिनिस्ट्री ने इस बारे में स्टेकहोल्डर्स से एक महीने के भीतर सुझाव देने को कहा है। अभी दवा की दुकानों पर ऐसी कई दवाएं हैं जो डॉक्टर की पर्ची के बगैर मिल जाती है। लेकिन अभी ओटीसी दवाओं के लिए कोई कानून नहीं है।

टाटा मोटर्स की विंगर बनी अस्पतालों की भरोसेमंद साथी

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

टाटा मोटर्स की विंगर एंबुलेंस के रूप में अपनी सेवाएं देने में सक्रियता से काम कर रही है। टाटा मोटर्स ने हाल ही में मध्य प्रदेश में '108 एम्बुलेंस सर्विस प्रोजेक्ट' के लिये 965 टाटा विंगर एम्बुलेंस की आपूर्ति की है। यह मध्यप्रदेश सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत शुरू किया गया एक आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवा कार्यक्रम है। टाटा विंगर एम्बुलेंस अब मध्यप्रदेश में कार्यरत आपातकालीन परिवहन सेवा का हिस्सा होगी। गौरतलब है कि टाटा मोटर्स टेक्नोलॉजी और उत्पादों में हमेशा कुछ नई खोज करने में सबसे आगे रही है और कंपनी ने देश के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। टाटा विंगर की मदद से टाटा मोटर्स स्कूल, स्टाफ, टूर एंड ट्रैवेल और एम्बुलेंस सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक जरूरतों को पूरा करता है। 108 एम्बुलेंस सर्विस प्रोजेक्ट के तहत, खूबियों से भरपूर टाटा विंगर एम्बुलेंस का दो तरह से उपयोग किया जाता है। इसमें पहला है 'संजीवनी' नामक एक ईएमएएस आपातकालीन मीडिया एम्बुलेंस सेवा, जिसे केवल मध्यप्रदेश में 'एमपी 108 संजीवनी' ऐप द्वारा बुक किया जा सकता है। टाटा विंगर की बेसिक और एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस का इस्तेमाल संजीवनी के रूप में होगा। दूसरा प्रयोग है

'जननी एक्सप्रेस', महिलाओं के लिये समर्पित टाइप बी पेशेंट सपोर्ट टाटा विंगर एम्बुलेंस सेवा। टाटा मोटर्स ने 15 वर्षों में 28,000 टाटा विंगर एम्बुलेंस की सफलतापूर्वक आपूर्ति की है, और यह स्वास्?थ्यरक्षा संस्थाओं की एक भरोसेमंद साथी बन चुकी हैं और इसने अपनी बेहतरीन, सक्षम डिजाइन और प्रदर्शन से अनगिनत जानें बचाई हैं। टाटा मोटर्स ने गुजरात, लखनऊ, जमशेदपुर, धारवाड़, गांधीनगर और पंतनगर में कोविड-19 टीकाकरण अभियानों के लिये विंगर एम्बुलेंस की आपूर्ति की है। मौजूदा वैश्विक महामारी को देखते हुए, बहुपयोगी टाटा विंगर एम्बुलेंस को कोविड-19 के मरीज के परिवहन के लिये खासतौर से इंजीनियर भी किया गया है, जिसमें एक ड्राइवर पार्टिशन है। टाटा मोटर्स मैजिक एक्सप्रेस एम्बुलेंस, विंगर एम्बुलेंस और डबल स्ट्रेचर वाली एलपी410 एम्बुलेंस के साथ एम्बुलेंस की सबसे व्यापक श्रृंखला की पेशकश करती है। देश के अस्पतालों और स्वास्थ्यरक्षा सुविधाओं को आला दर्जे के स्वास्थ्यरक्षा परिवहन समाधान प्रदान करने के लिये टाटा मोटर्स की दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ, टाटा विंगर एम्बुलेंस चार विकल्पों में उपलब्ध है- पेशेंट ट्रांसपोर्ट, बेसिक लाइफ सपोर्ट, एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट और शेल। स्वतंत्र सस्पेंशन के अलावा इसका मोनोकॉक चेसिस ड्राइविंग का सुविधाजनक अनुभव देता है, जो मरीजों के सुगम परिवहन के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सोनी इंडिया ने किया दुनिया का लाइटेस्ट कॉम्पैक्ट कॉन्स्टेंट F4 वाइड-एंगल पावर

Zoom G Lens™ FE PZ 16-35mm F4 G

नई दिल्ली: सोनी इंडिया में अब FE PZ 16-35mm F4 G (मॉडल SELP1635G) के साथ कुल 66 ई-माउंट लेंस हैं जिनमें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ रचनाकारों/क्रिएटर्स की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए विकसित इमेज क्वालिटी, उच्च प्रदर्शन ऑटोफ़ोकस और बेहतर संचालन के साथ एक वाइड पावर ज़ूम है। इस नये लेंस में पैक है दुनिया के लाइटेस्ट1 फुल-फ्रेम वाइड-एंगल पावर-ज़ूम लेंस में निरंतर इ4 एपर्चर के साथ लेंस के डिज़ाइन में एदहब की विशाल विशेषज्ञता, जो उत्कृष्ट प्रदर्शन और नियंत्रण प्रदान करता है। यह कॉम्पैक्ट लेंस परिष्कृत इमेज क्वालिटी, अभिव्यंजक क्षमता और नियंत्रण प्रदान करता है जो आज के कॉन्टेंट क्रीएटर्स को पसंद आएगा। यह स्टिल्स के लिए भी एक बढ़िया विकल्प है जिसमें खूबसूरत *G Lens* रेंडरिंग,

आश्चर्यजनक AF प्रदर्शन और उल्लेखनीय रूप से कॉम्पैक्ट लेंस जो कॉम्पैक्ट कैमरा बॉडी के लिए परफेक्ट है में उपयोग में आसान पावर ज़ूम है। फ़ोकसिंग और ज़ूमिंग के दौरान कुल बैरल की लम्बाई स्थिर रहती है, FE PZ 16-35mm F4 G जिससे व्लॉगिंग और मूवी प्रोडक्शन से लेकर रिमोट कैप्चर और लैंडस्केप फ़ोटोग्राफ़ी तक सब कुछ सुविधाजनक हो जाता है। Sony India के डिजिटल इमेजिंग हेड मुकेश श्रीवास्तव ने कहा, 'स्टिल और वीडियो दोनों में विशेषज्ञता वाले 'हाइब्रिड' उत्पादों की आवश्यकता और मांग लगातार बढ़ रही है और उसी तरह कॉन्टेंट की क्वालिटी, विशेष रूप से ऑनलाइन भी'। 'इस FE PZ 16-35mm F4 G को पूरी तरह से नए युग के कंटेंट क्रिएटर्स की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है और इसका उद्देश्य दुनिया के लाइटेस्ट कॉन्स्टेंट F4 वाइड-एंगल पावर ज़ूम के रूप में उनकी रचनात्मकता के लिए किसी भी बाधा को दूर करना है'।

सल्फर मिल्स लिमिटेड ने 2 नए कीटनाशक लॉन्च किए

इमारा पोषक तत्व संयोजन वाला दुनिया का पहला उत्पाद

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सल्फर मिल्स लिमिटेड ने इंदौर, मध्य प्रदेश में 2 नए उत्पाद इमारा और जुड़वा जी लॉन्च किए। इमारा एक डब्ल्यूजी आधारित उत्पाद होने के कारण इसके अनुप्रयोग को आसान बनाता है। धान में रोपाई के 15 से 20 दिनों के बाद और सीधे बोए गए धान में 25 से 30 दिनों के बाद मिट्टी या उर्वरक में समान रूप से मिलाकर 4 किलोग्राम प्रति एकड़ लगाने का सुझाव दिया जाता है। स्टेम बोरर के खिलाफ सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिए यह समय स्लॉट सबसे प्रभावी है और चूंकि यह प्रारंभिक जुताई पोषण के दृष्टिकोण से भी फसल का महत्वपूर्ण चरण है, इसलिए इमारा दुनिया के पहले कीटनाशक और पोषक तत्व का कॉम्बिनेशन का उत्पाद किसानों की सबसे अच्छी पसंद है। जुडवा जी ड्राई कैप टेक्नोलॉजी आधारित उत्पाद जिसमें नियंत्रित रिलीज गुणों के साथ वाटर डिस्पर्सिबल ग्रेन्यूल्स (डब्ल्यूडीजी) फॉर्मूलेशन होता है, अन्य लाभों के साथ-साथ त्वरित जानकारी, लंबे समय तक अवशिष्ट नियंत्रण और कोई गंध नहीं होता है, इसलिए इसकी टैगलाइन वही विश्वास, तकनीक ख़ास जुड़वा जी ड्राई कैप के साथ है। धान में स्टेम बोरर को नियंत्रित करने के लिए इसे 270-300 ग्राम प्रति एकड़ और 200 लीटर पानी के साथ लगाने का सुझाव दिया गया है।

इस अवसर पर श्री राजेंद्र अखनाई, प्रेसिडेंट - सेल्स एंड मार्केटिंग, श्री हितेश पटेल, वाईस प्रेसिडेंट- मार्केटिंग, श्री राधेश्याम, हेड क्रॉप प्रोटेक्शन - इंडिया , श्री पुष्पेंद्र गंगराडे, मार्केटिंग मैनेजर - मध्य प्रदेश , श्री सुरेश शर्मा, रीजनल सेल्स मैनेजर , पूर्वी मध्य प्रदेश, श्री प्रकाश सगीत्रा आरएसएम वेस्ट एमपी, और श्री राजेंद्र परिहार आरएसएम जबलपुर लॉन्च के मौके पर पूर्वी मध्य प्रदेश मौजूद थे।

जैसा कि श्री राधेश्याम, हेड क्रॉप प्रोटेक्शन, सल्फर मिल्स लिमिटेड द्वारा उत्पाद विवरण को साझा किया गया, यह अनूठा उत्पाद यूनिक है क्योंकि कीटनाशकों के निर्माण के लिए उपयोग की जाने वाली अक्रिय

सामग्री को सल्फर 70% और जिंक ऑक्साइड 13% से बदल दिया जाता है, अक्रिय / गैर सक्रिय यौगिकों को पोषण के साथ बदलने से पौधों को हानिकारक निष्क्रियता से सुरक्षा मिलती है, इससे न केवल पौधों को आवश्यक पोषण मिलता है बल्कि यह मिट्टी के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है। इसलिए यह अपनी टैगलाइन 'इमारा एक फायदे अनेक' से मेल खा रहा है।

25 लाख छात्रों में कौशल निर्माण एवं कौशल विकास हेतु 'एआई फॉर इंडिया' अभियान की शुरुआत

द डेटा टेक लैब्स इंक की यह पहल भारत को विश्व की एआई राजधानी बनाने का उद्देश्य रखती है

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

भारत को वैश्विक डिजिटल प्रतिभाओं का केंद्र बनाने और विशेष रूप से विश्व की एआई राजधानी बनाने के उद्देश्य से द डेटा टेक लैब्स इंक ने 'एआई फॉर इंडिया' अभियान शुरु किया है। भारत के केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिल्ली में इस अभियान का उद्घाटन किया। इस अवसर पर 100 से अधिक बहुराष्ट्रीय कंपनियों, छोटे एवं मध्यम उद्योगों तथा स्टार्ट-अप के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। 'एआई फॉर इंडिया' नामक यह अभियान एडब्ल्यूएस द्वारा संचालित एवं भारत के शिक्षा मंत्रालय तथा एआईसीटीई द्वारा समर्थित है, जिसका लक्ष्य 25 लाख भारतीय नागरिकों के लिए योग्यता मूल्यांकन, प्रशिक्षण, अभ्यास, इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट्स आवंटित करना, प्रमाणित करना एवं नौकरी प्रदान करना है।

भारत के शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान की उपस्थिति वाले इस कार्यक्रम में एआईसीटीई के चेयरमैन प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे, श्री चंद्रशेखर बुद्धा – चीफ को-ऑर्डिनेटिंग ऑफिसर, एआईसीटीई, डॉ. अमित आंद्रे, सीईओ, द डेटा टेक लैब्स और श्री अमित मेहता, हेड, एडब्ल्यूएस ट्रेनिंग एंड सर्टिफिकेशन, भारत सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान चंद्रशेखर बुद्धा, चीफ को-ऑर्डिनेटिंग ऑफिसर, एआईसीटीई, ने कहा, 'यह एक बेहतरीन अवसर है, जिसके द्वारा भारतीय छात्रों के कौशल एवं उनकी प्रतिभाओं को आगे विकसित करते हुए उन्हेंएक उज्जवल करियर के लिए प्रमुख कंपनियों के समक्ष पेश किया जा सके। इस अभियान का हिस्सा बनने पर हमें गर्व है।'

इस मौके पर अनिल सहस्त्रबुद्धे – चेयरमैन, एआईसीटीई ने कहा, 'डेटाटेक की यह पहल सराहनीय है। समाज के लिए इस योगदान को सभी लोगों के समर्थन एवं मान्यता मिलनी चाहिए, जिससे युवा पीढ़ी के लिए सुरक्षित भविष्य निर्माण हो सके, अर्थव्यवस्था मज़बूत हो सके और यह सुनिश्चित हो सके कि भारत एक प्रतिभा संपन्न देश के रूप में पूरी दुनिया में पहचाना जाए।'

डॉ. अमित आंद्रे, सीईओ, द डेटा टेक लैब्स, ने कहा, ' 'द डेटा टेक लैब्स'को इस अभियान की परिकल्पना एवं राष्ट्र निर्माण तथा कौशल विकास में योगदान देने की बेहद खुशी है। एआई फॉर इंडिया पहल एक मिश्रित कर्मचारी वर्ग के इस दौर का स्वागत करता है, जहां अत्याधुनिक तकनीकें और इंसानों द्वारा साथ मिलकर एक कारोबार की सफलता और भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने का काम किया जाता है।

PF पर ज्यादा रिटर्न के लिए सरकार का नया प्लान, यूं बढ़ेगा आपका पैसा

नई दिल्ली। एजेंसी

हाल ही में केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए भविष्य निधि यानी ईपीएफ पर 8.1% फीसदी की ब्याज दर को मंजूरी दी है। ईपीएफ पर घटती ब्याज दर के बीच अब केंद्र सरकार नई योजना पर काम कर रही है। अगर ये योजना सही ढंग से लागू हो जाती है तो भविष्य में पीएफ की ब्याज दरें एक बार फिर बढ़ने की उम्मीद की जा सकती है।

क्या है योजना: रिपोर्ट के मुताबिक ईपीएफओ की वित्त निवेश और लेखा परीक्षा समिति ने इक्विटी से जुड़े निवेश की सीमा को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 25-30 प्रतिशत करने पर विचार करने के लिए प्रारंभिक चर्चा की है। प्रस्ताव के अनुसार इक्विटी एक्सपोजर बढ़ाया जाएगा और निवेश दिशानिर्देशों को संशोधित किया जाएगा। आसान भाषा में समझें तो ईपीएफओ फंड का 25 से 30 फीसदी हिस्सा शेयर बाजार में निवेश किया जाएगा और इससे ज्यादा से ज्यादा रिटर्न लेने की कोशिश की जाएगी।

3,000 करोड़ रुपये का निवेश: अगर इक्विटी निवेश की सीमा 25-30 फीसदी तक बढ़ जाती है, तो ईपीएफओ हर महीने शेयर बाजार में 3,000 करोड़ रुपये का निवेश कर सकता है। ईपीएफओ के केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) का कहना है कि डेट और इक्विटी फंड के साथ 85:15 अनुपात से हाई रिटर्न की उम्मीद नहीं की जा सकती है। वर्तमान में, ईपीएफओ एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) के माध्यम से इक्विटी में निवेश करता है। हालांकि, सरकार का कहना है कि इक्विटी फंड के निवेश सीमा को बढ़ाए जाने से रिटर्न ज्यादा मिलने की उम्मीद की जा सकती है।

आपको बता दें कि बीते वित्त वर्ष के लिए पीएफ की ब्याज दर पहले 8.5 फीसदी थी, जिसे अब 8.1 फीसदी कर दिया गया है। यह दर करीब 40 साल में सबसे कम है। बहरहाल, देखना अहम है कि सरकार हाई रिटर्न के लिए इस योजना को कब तक अमल में लाती है।

क्रेडिट कार्ड के जरिए भी होगा UPI पेमेंट, RBI ने यूजर्स को दी बड़ी राहत

मुंबई। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने जहां एक तरफ आम जनता पर लोन का बोझ बढ़ा दिया है। वहीं, दूसरी तरफ एक बड़ी राहत भी दी है। RBI ने क्रेडिट कार्ड को यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) से जोड़ने का ऐलान किया है। इसकी शुरुआत Rupay क्रेडिट कार्ड से की गई है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने आज UPI के माध्यम से Rupay क्रेडिट कार्ड से भुगतान की अनुमति दे दी है। इसकी घोषणा शक्तिकांत दास ने मोनेटरी पॉलिसी रिव्यू प्रेस कॉन्फ्रेंस (monetary policy review press conference) में की।

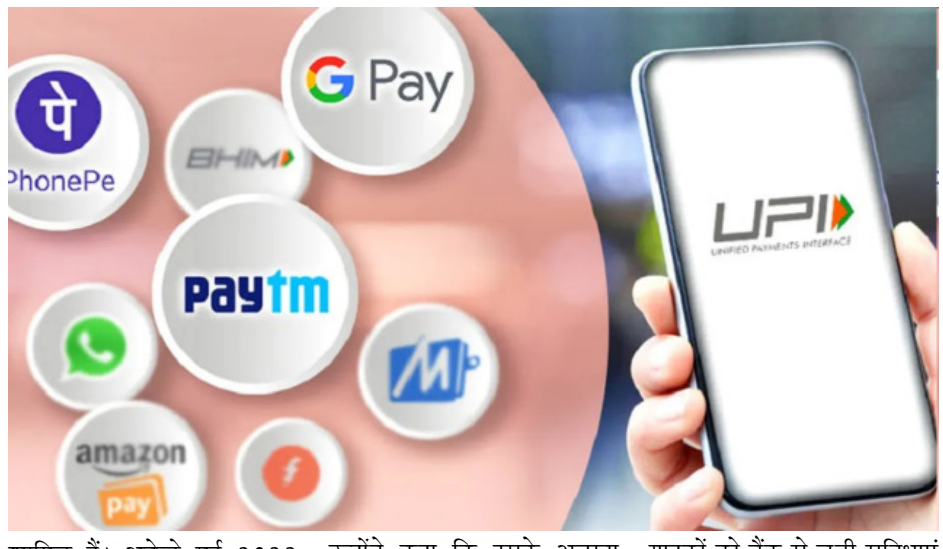

अभी क्या है सुविधा?

बता दें कि वर्तमान में, UPI यूजर्स डेबिट कार्ड के माध्यम से सेविंग्स या करेंट अकाउंट को जोड़कर लेनदेन की सुविधा प्रदान करता है। दास ने कहा कि नई व्यवस्था से ग्राहकों को यूपीआई प्लेटफॉर्म के माध्यम से भुगतान करने में अधिक अवसर और सुविधा मिलने की उम्मीद है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि वर्तमान में 26 करोड़ से अधिक यूजर्स और 5 करोड़ कारोबारी यूपीआई प्लेटफॉर्म पर शामिल हैं। अकेले मई 2022 में यूपीआई के माध्यम से 10.40 लाख करोड़ रुपये के 594.63 करोड़ लेनदेन किए गए थे।

RBI ने क्या कहा?

दास ने यह भी कहा कि केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए पर्याप्त लिक्विडिटी या कैश की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा, ''आने वाले समय में महामारी की वजह से उपलब्ध कराई गई अत्यधिक नकदी को कई साल के समय में सामान्य स्तर पर लाया जाएगा। हालांकि, इसके साथ ही केंद्रीय बैंक यह सुनिश्चित करेगा कि अर्थव्यवस्था की उत्पादक जरूरतों के लिए पर्याप्त नकदी उपलब्ध रहे।'' उन्होंने कहा कि इसके अलावा शहरी सहकारी बैंकों को अनुसूचित बैंकों की तरह घरों तक अपने ग्राहकों को बैंक से जुड़ी सुविधाएं देने की अनुमति देने का प्रस्ताव किया गया है।

आरबीआई के अहम फैसले

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास द्वारा बुधवार को पेश चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा की मुख्य बातें इस प्रकार हैं:

■रेपो रेट को 0.50 प्रतिशत बढ़ाकर 4.9 प्रतिशत किया गया। पांच सप्ताह में यह रेपो दर में दूसरी बढ़ोतरी है। ■चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान 5.7 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत किया गया। ■2022-23 के लिए आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 7.2 प्रतिशत पर बरकरार। ■क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से जोड़ा जाएगा। रूपे क्रेडिट कार्ड पहले जुड़ेंगे। ■ग्रामीण सहकारी बैंकों को वाणिज्यिक रियल एस्टेट क्षेत्र को कर्ज देने की अनुमति। ■शहरी सहकारी बैंक घर के दरवाजे पर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करा सकेंगे। ■इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से नियमित अंतराल पर जरूरी सेवाओं के लिये खुद-ब-खुद होने वाले भुगतान को 5,000 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये किया गया।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।